भारतीय पशु–चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर में "एप्लीकेशन ऑफ जिनोमिक टूल्स इन अनरेवेलिंग फीजियोलॉजिकल प्रोसेसेस" विषय पर पाठ्यक्रम का समापन

बरेली, 18 फरवरी, 2019। भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर में आज पशुचिकित्सा दैहिकी के प्रगामी संकाय प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा आयोजित 21 दिवसीय लघु प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का समापन हो गया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में "एप्लीकेशन ऑफ जिनोमिक टूल्स इन अनरेवेलिंग फीजियोलॉजिकल प्रोसेसेस" विषय पर आयोजित पाठ्यक्रम में जम्मू–कश्मीर, बिहार, ओडिशा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, नागालैड आदि राज्यों के 23 प्राध्यापकों एवं वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि संस्थान के संयुक्त निदेशक (शोध) ने अपने सम्बोधन में प्रशिक्षण के विषय को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि जेनेटिक अभियंत्रण पर 1980 के दशक में कार्य प्रारम्भ हुआ था और अब इस विज्ञान का विस्तार के कई विषयों में हो गया है। इस विषय में गणित, भौतिकी सहित कई विज्ञान विषयों का समावेश है तथा इस तकनीक के बहुआयामी उपयोग है। उन्होंने फीजियोलॉजिकल प्रोसेसेस को विज्ञान का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बताते हुए कहा कि प्रशिक्षणार्थी जब अपने विश्वविद्यालय, महाविद्यालय या संस्थान में इस विषय पर परियोजना का प्रारूप बनाने में संस्थान की मदद चाहेंगे तो हमें भी खुशी होगी।

इससे पूर्व पशुचिकित्सा दैहिकी के प्रगामी संकाय प्रशिक्षण केन्द्र की निदेशक एवं दैहिकी एवं जलवायुकी विभाग की विभागाध्यक्षा डा. जी. तरू शर्मा ने कहा कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को व्याख्यान के साथ प्रायोगिक कक्षाओं के लिए श्रेष्ठ सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। सबसे अच्छा यह था कि विभिन्न विषयों के प्राध्यापकों एवं वैज्ञानिकों ने आपस में चर्चा करके अपने–अपने विषय में जीनोमिक टूल्स के उपयोग के अनुसार इसे अधिकाधिक समझने का प्रयास किया।

इस अवसर पर पाठ्यक्रम संयोजक डा. मिहिर सरकार ने प्रशिक्षण की रिपोर्ट प्रस्तुत

करते हुए कहा कि शोधकर्ता जीनोमिक टूल्स से कोशिका और उसके कार्यों का विश्लेषण आसानी से कर सकते हैं।

समापन समारोह में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। इस अवसर पर विभाग के समस्त वैज्ञानिकगण डा. ज्ञानेन्द्र सिंह, डा. पुनीत कुमार, डा. वी.पी.मौर्या, डा. साधन बाग, डा. विक्रान्त सिंह चौहान आदि उपस्थित रहे। समारोह का संचालन डा. हरि अब्दुल समद तथा धन्यवाद ज्ञापन डा. विकास चन्द्रा ने किया।